गन्ना कृषक माह मई में क्या करें !

1– फरवरी–मार्च में बोये गन्ने में सिंचाई उपरान्त 50 कि0ग्रा0 नत्रजन/हे0 (110 कि0ग्रा0 यूरिया) की जड़ के पास टॉपड्रेसिंग करें तथा गुड़ाई करें।

2– शरद्कालीन गन्ने में सिंचाई करें तथा यदि उर्वरक न दी हो तो अन्तिम टॉप ड्रेसिंग करें।

3– चोटीबेधक व अंकुर बेधक कीटों के अण्ड समूहों को पत्ती सहित एकत्र कर नष्ट करें। इन कीटों से ग्रसित पौधों को भूमि की सतह से काटकर नष्ट करें या चारे में प्रयोग करें ।

4– पेड़ी गन्ना में यदि काला चिकटा कीट का आपतन हो तो क्लोरपायरीफॉस 20 ई0सी0 का 1.0 ली0 दवा/हे0 3–5 प्रतिशत यूरिया के घोल में मिलाकर छिड़काव करें। छिड़काव के समय खेत में नमी रहना आवश्यक है।

5– देर से बोये गये गन्ने में सिंचाई करें तथा खरपतवार नियंत्रण हेतु आवश्यकतानुसार गुड़ाई करें।

6– यदि अप्रैल माह में जैव उर्वरक एजोटोबैक्टर व पी0एस0बी0 का प्रयोग न किया गया हो तो अप्रैल माह में वर्णित प्रक्रियानुसार प्रयोग करें। इससे 25 प्रतिशत उर्वरक की बचत के साथ–साथ 10–12 प्रतिशत अधिक गन्ना उपज की प्राप्ति होती है।

आँधी, ओला, बारिस आये । गन्ना फिर भी लाभ दिलाये ।।